nt>

Title: Alleged attacks on Hon'ble MPs and need to provide security to them.

श्री ब्रजेश पाठक (उन्नाव) : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन के सदस्य का सवाल है। मो. ताहिर सुल्तानपुर से बहुजन समाज पार्टी के सासंद हैं। विगत 25 तारीख को जब वह अपने क्षेत्र मेंâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: A very important matter is being taken. यह ठीक नहीं है।

श्री ब्रजेश पाठक : जब वह अपने क्षेत्र के भ्रमण पर थे, वह पूर्व घोाति कार्यक्रम था। जिला प्रशासन को उसकी पूरी जानकारी थी कि वह क्षेत्र के भ्रमण पर रहेंगे।â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह क्या तमाशा हो रहा है। यह सीनियर सदस्य हैं, जबकि मैं पहली बार सदन में चुनकर आया हूं। सदन में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। नए लोगों को नियम और कायदे का पाठ पढ़ाया जाता है। आपने कल हमसे नहीं बोलने के लिए कहा, तो हम लोग शांति से बैठ गए थे। लेकिन ये बार-बार व्यवधान डाल रहे हैं। ऐसे कैसे चलेगा।

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए।

श्री ब्रजेश पाठक : मो. ताहिर सुल्तानपुर से बहुजन समाज पार्टी के सदस्य चुने गए हैं। वे जब पूर्व घोाति कार्यक्रम के तहत अपने क्षेत्र के भ्रमण पर जा रहे थे, तो उन पर धनपतगंज बाजार में प्राण घातक हमला किया गया। हमला करने के बाद उनके निजी अंगरक्षक की रायफल छीन ली गई। जब उनको बचाने का प्रयास किया गया तो अंगरक्षक पर तेजाब डाला गया। जब सांसद महोदय उसकी एफआईआर कराने थाने जाते हैं तो उनको अरेस्ट कर लिया जाता है। उन अपराधियों पर, जिन्होंने उन पर हमला किया था, कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है। हमारे माननीय सदस्य का सवाल है। इस सदन के वह सदस्य हैं। उनको रात के दो बजे तक लगातार थाने में बंद करके बिठाकर जेल भेज दिया गया। वहां पर उन माननीय सदस्य को 200 आदमियों की बैरक में रखा गया। उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। हम कल भी सदन में इस बात से आपको अवगत कराना चाहते थे, लेकिन आपने नियम-कायदों का हवाला देकर हमें बिठा दिया। अब हम उन्हीं नियम-कायदों के तहत आपको बताना चाहते हैं कि उन माननीय सदस्य को जेल में सामान्य कैदियों की तरह रखा गया है। स्थानीय पुलिस प्रशासन के लोग उनकी घेराबंदी कर रहे हैं और उनके परिवारजनों के उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। उनको यातनाएं दी जा रही हैं, जैसे एक चोर के साथ बर्ताव किया जाता है, वैसा उनके साथ किया जा रहा है। यह शर्मनाक बात है, क्योंकि यह सदन के सदस्य का सवाल है। हमने चुनाव जीतने के बाद आपसे लगातार अनुरोध किया है कि हम संसद सदस्य हैं, हम पर भी हमला हुआ है। मैं जब से उन्नाव संसदीय क्षेत्र से सदन में चुनकर आया हूं, पूरे उत्तर प्रदेश के माफिया मुझे मारना चाहते हैं। लगातार इस सदन का सदस्य चुने जाने के बाद हमारे ऊपर दो बार प्राण घातक हमला हो चुका है। मैंने इसकी एफआईआर बांगड़पुर थाने में दर्ज कराई हैं। लेकिन मेरी एफआईआर 9.45 पर लिखी जाती है, तो 9.55 पर क्रास एफआईआर मेरे खिलाफ उसी थाने में लिखी जाती है। वे अपराधी तत्व थाना तो दूर रहा, अगल-बगल भी दिखाई नहीं देते।

किन परिस्थितियों में हम जिंदा हैं इस ओर मैं आपका ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। भारत सरकार का हम लोग बाहर से समर्थन कर रहे हैं। एक सदस्य जब जिंदा नहीं रह सकता, अपने प्राणों की रक्षा नहीं कर सकता और वह सदस्य यदि मारा जाता है तो कैसे सदन चलेगा, कैसे हम जनता की बात मजबूती से सदन में रख पाएंगे। मान्यवर, यह बड़े शर्म का विाय है। हमने भारत सरकार से अनुरोध भी किया है कि हम लोगों की रक्षा की जाए, लेकिन किसी ने कानून का हवाला देकर और किसी ने जूनियर सदस्य समझकर हमारी बात को नजर अंदाज कर दिया। मान्यवर, हमने लगातार आपसे भी अनुरोध किया है और हम आज सदन से आग्रह करते हैं कि सर्वसम्मति से यह तय किया जाए कि सदन के सदस्यों की सुरक्षा का जहां सवाल है तो भारत सरकार उनकी रक्षा करे। आई.बी से या किसी केन्द्रीय एजेंसी से उनकी सुरक्षा कराई जाए। अगर हमें सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है तो उत्तर प्रदेश के जिन लोगों ने हमें चुनकर भेजा है, उनकी आवाज को हम सदन में कैसे रख पाएंगे, कैसे अपने लोगों को मिल पाएंगे, यही मैं सदन को बताना चाहता हूं।

मोहम्मद शाहिद (मेरठ) : केरल के सदस्यों को आपने एक घंटा बोलने का मौका दिया है, हमें मौका क्यों नहीं मिल रहा है। हमारे मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट गिरफ्तार हैं, इसलिए हमें भी दो मिनट का समय दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। मित्र सेन यादव जी, आप बोलिये।

â€¦ (व्यवधान)